

आस राखो सतगुरु की भजन लिरिक्स



आस राखो सतगुरु की,
जग की सब आस तजो,
जग की है आस झूठी,
आस राखों सतगुरु की।bd।

[तर्ज – ये मेरी अर्जी है।](#)

सतगुरु की प्रीत सच्ची,
सतगुरु की प्रीत सच्ची,
जग सारा स्वारथ का,
जग की है प्रीत कच्ची,
आस राखों सतगुरु की।bd।

सतगुरु उपकारी है,
सतगुरु उपकारी है,
है निरत सदा हित में,
सबके हितकारी हैं,
आस राखों सतगुरु की।bd।

जो भी चरण शरण आये,
जो भी चरण शरण आये,
भक्ति का धन पाकर,
वो मालामाल जाएँ,
आस राखों सतगुरु की।bd।

प्यारे ले ले गुरु की शरण,
प्यारे ले ले गुरु की शरण,
अरे सेवा के नियम निभा,
करले तू सफल जीवन,
आस राखों सतगुरु की।bd।

आस राखो सतगुरु की,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



जग की सब आस तजो,
जग की है आस झूठी,
आस राखों सतगुरु की।

स्वर – साध्वी पूर्णिमा दीदी।
